06 मई 2024

कमोडिटी मार्केट रिपोर्ट

smc
moneywise. be wise.

प्रमुख खबरें

- वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की पहली तिमाही-2024 रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक स्तर पर सोने की कुल मांग साल-दर-साल 3% बढ़कर 1,238 टन हो गई, जो 2016 के बाद से पहली तिमाही में सबसे अधिक मांग है।
- वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के अनुसार 2024 की पहली तिमाही में भारत में सोने का कुल आयात 179.4 टन हुआ है, जो 2023 की पहली तिमाही के 143.4 टन की तुलना में 25 प्रतिशत अधिक है।
- इंटरनेशनल कॉपर स्टडी ग्रुप के अनुसार वैश्विक तांबा बाजार को इस साल 162,000 के सरप्लस का सामना करना पड़ रहा है।
- मार्च 2024 में वैश्विक स्तर पर कच्चे इस्पात का उत्पादन 4.3 प्रतिशत घटकर 161.2 मिलियन टन हो गया, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 168.4 मिलियन टन हुआ था। वर्ल्ड स्टील एसोसिएशन के अनुसार, शीर्ष उत्पादक चीन का उत्पादन मार्च में कम होकर 88.3 मिलियन टन हो गया, जो एक साल पहले की अवधि से 7.8 प्रतिशत कम है। भारत ने 7.8 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 12.7 मिलियन टन उत्पादन किया है।
- खान मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, इस साल फरवरी में भारतीय खदानों से सोने का उत्पादन 86 प्रतिशत बढ़कर 255 किलोग्राम हो गया, जबकि तांबे का उत्पादन 28.7 प्रतिशत बढ़कर 11,000 टन हो गया।
- तेलंगाना में रबी चावल की खरीद में उल्लेखनीय वृद्धि के कारण, 2023-24 सीजन (अक्टूबर-सितंबर) में 30 अप्रैल तक कुल खरीद 47.03 मिलियन टन हुई है, जो एक साल पहले के 49.88 मिलियन टन से 6 फीसदी कम है।
- गेहूं खरीद की गति में तेजी के कारण गेहूं खरीद एक सप्ताह पहले के 25 प्रतिशत से कम होकर 30 अप्रैल तक 8 प्रतिशत रह गई है। लेकिन मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश जैसे प्रमुख राज्यों में उम्मीद से कम खरीद की संभावना के कारण केंद्र के लिए मौजूदा सीजन में 372.9 लाख टन की कुल खरीद के लक्ष्य को पूरा करना मुश्किल हो सकता है।

NCDEX में सबसे अधिक बढने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	26.04.24	01.05.24	बदलाव (%)
जीरा	22700.00	23285.00	2.58%
हल्दी	19030.00	19212.00	0.96%
बाजरा	2337.00	2348.00	0.47%

MCX में सबसे अधिक बढने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	26.04.24	01.05.24	बदलाव (%)
नेचुरल गैस	160.50	170.00	5.92%
जिंक	252.30	256.85	1.80%
मेंथा ऑयल	925.70	932.20	0.70%
चांदी मिनी	80777.00	81313.00	0.66%
निकल	1610.80	1616.80	0.37%

NCDEX में सबसे अधिक गिरने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	26.04.24	01.05.24	बदलाव (%)
सीसेमसीड	15465.00	15150.00	-2.04%
कैस्टर सीड	5754.00	5650.00	-1.81%
कैस्टर ऑयल	1171.00	1150.50	-1.75%
मक्का	2089.00	2057.00	-1.53%
ग्वारगम	11206.00	11038.00	-1.50%

MCX में सबसे अधिक गिरने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	26.04.24	01.05.24	बदलाव (%)
कच्चा तेल	6999.00	6601.00	-5.69%
कॉटन	58340.00	57280.00	-1.82%
एल्युमीनियम	235.55	231.95	-1.53%
तांबा	857.95	845.95	-1.40%
चांदी	82496.00	81363.00	-1.37%

साप्ताहिक समीक्षा

इस सप्ताह कमोडिटी बाजार में विभिन्न क्षेत्रों में भारी गिरावट देखी गई। सीआरबी इंडेक्स 331 के करीब बंद हुआ। फेड ने उम्मीद के मुताबिक ब्याज दर अपरिवर्तित रखी। सोने और चांदी सहित सर्राफा में लगातार दूसरे सप्ताह गिरावट देखी गई। नेचुरल गैस की कीमतों में कुछ सुधार हुआ, जबकि कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट हुई। अमेरिकी भंडार में अप्रत्याशित वृद्धि और बढ़े हुए उत्पादन को दर्शाने वाले आंकड़ों से पता चलता है कि तेल बाजार में सप्लाई उतनी कम नही है जितना कि व्यापारी शुरू में उम्मीद कर रहे थे। ऐसा मध्य पूर्व में आपूर्ति में व्यवधान की आशंकाओं को कम करने के कारण भी हुआ है, क्योंकि इजराइल और हमास ने संभावित युद्धविराम पर बातचीत जारी रखी है। लंबी तेजी के बाद मुनाफावसूली के कारण तांबे और लेड की कीमतों में गिरावट हुई, जबकि एल्युमीनियम की कीमतें 197 से बढ़कर 256 के करीब पहुंच गई और 231 के करीब बंद हुई क्योंकि व्यापारियों ने सुरक्षित मुनाफा कमाने का विकल्प चुना। आंकड़ों से पता चलता है कि एलएमई-पंजीकृत गोदामों में एल्युमीनियम के ऑन-वारंट भंडार में 88,625 टन की बढ़ोतरी हुई है, जो हाल ही में रूसी धातु पर यूके और अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण है। लेकिन जिंक की कीमतों में लगातार पाँचवें सप्ताह तेजी का रुख जारी रहा। मंगलवार के आंकड़ों से पता चलता कि अप्रैल में चीन की मैनुफैक्चरिंग और सेवा क्षेत्रों में विकास धीमा हो गया, जो दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की गति में धीमेपन का संकेत देता है। सूत्रों ने रॉयटर्स को बताया कि चीन के तांबा उत्पादक 100,000 टन तक धातु निर्यात करने की योजना बना रहे हैं। इंटरनेशनल कॉपर स्टडी ग्रुप ने कहा कि वैश्विक तांबा बाजार को इस साल 162,000 के सरप्लस का सामना करना पड़ रहा है।

कृषि कमोडिटीज में अरंडी की कीमतों को लगातार छठे सप्ताह गिरावट का सामना करना पड़ा, जबकि सूरजमुखी तेल की कीमतें गिरावट के साथ बंद हुईं। कॉटन वायदा, जो 63500 तक बढ़ गया था, अब गिरावट के दौर से गुजर रहा है और 57000 के करीब बंद हुआ है। कपास की कीमतें भी इसी तरह नीचे की ओर जा रही है। कॉटनऑयलसीडकेक वायदा का कारोबार तेजी के रूझान के साथ एक दायरे में हुआ। छह सप्ताह की तेजी के बाद ग्वार की कीमतों में गिरावट हुई। मसालों में, स्थानीय बाजार में खरीदारी गतिविधियों में सुधार के साथ नयी खरीदारी के कारण जीरा की कीमतों में उछाल आया। शादी के मौसम की बेहतर मांग और होटल और रेस्तरां द्वारा बढ़ती स्थानीय खरीदारी से कीमतों को तेजी के रूझान के साथ कारोबार करने में मदद मिली, जबकि हल्दी की कीमतें तेजी के साथ बंद होने में कामयाब रहीं। हल्दी की आवक की गति पिछले साल की तुलना में धीमी रही है, क्योंकि अप्रैल-24 में प्रमुख पीएमसी मंडियों में लगभग 24.67 हजार टन हल्दी की आवक हुई, जबकि पिछले साल यह 73.25 हजार टन हुई थी। धनिया की कीमतों में मंदी का रूझान रहा, जबकि मेंथा ऑयल की कीमतों में लगातार दूसरे हफ्ते बढ़ोतरी देखी गई।

कमोडिटी

हाजिर कीमतें

कमोडिटी	स्थान	26.04.2024	02.05.2024	बदलाव (%)
जौ	जयपुर	2021.90	2026.65	0.23%
चना	दिल्ली	6546.35	6441.60	-1.60%
धनिया	कोटा	7577.05	7541.60	-0.47%
क्रूड पॉम ऑयल	कांडला	886.25	879.15	-0.80%
गुड़	मुजफ्फरपुर	1588.70	1592.20	0.22%
ग्वारसीड	जोधपुर	5629.80	5524.55	-1.87%
ग्वारगम	जोधपुर	11192.60	10989.80	-1.81%
जीरा	ऊंझा	23871.40	25295.80	5.97%
सरसों	जयपुर	5367.25	5349.35	-0.33%
रिफाइंड सोया तेल	मुंबई	927.50	912.50	-1.62%
सोयाबीन	इंदौर	4801.00	4753.15	-1.00%
हल्दी	निजामाबाद	17686.55	17772.75	0.49%
गेहूं	दिल्ली	2476.25	2512.50	1.46%
कॉटन	कड़ी	27847.30	27680.00	-0.60%
कॉटनऑयलसीडकेक	अकोला	2692.05	2676.45	-0.58%

LME/ COMEX/ NYMEX में धातुओं की कीमत (डॉलर में)

कमोडिटी	एक्सचेंज	कॉन्ट्रैक्ट	26.04.2024	02.05.2024	बदलाव(%)
एल्युमीनियम	LME	नकद	2569.50	2528.00	-1.62%
तांबा	LME	नकद	9965.50	9765.50	-2.01%
लेड	LME	नकद	2207.50	2180.00	-1.25%
निकल	LME	नकद	19100.00	18648.00	-2.37%
जिंक	LME	नकद	2844.00	2886.00	1.48%
सोना	COMEX	जून	2335.00	2309.60	-1.09%
चांदी	COMEX	जुलाई	27.25	26.71	-1.99%
लाइट क्रूड	NYMEX	जून	83.85	78.95	-5.84%
नेचुरल गैस	NYMEX	जून	1.61	2.04	26.08%

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कमोडिटी की कीमतें

कमोडिटी	एक्सचेंज	कॉन्ट्रैक्ट	26.04.2024	02.05.2024	बदलाव (%)
सोयाबीन	CBOT	जुलाई	1,177.25	1,199.00	1.85%
सोया तेल	CBOT	जुलाई	45.54	43.24	-5.05%
कॉटन	ICE	जुलाई	80.90	75.62	-6.53%
सीपीओ	BMD	जुलाई	3,896.00	3,846.00	-1.28%

गोदाम में सप्ताहिक स्टॉक स्थिति (NCDEX)

कमोडिटी	यूनिट	25.04.2024 क्वांटिटी	02.05.2024 क्वांटिटी	अंतर
कॉटन	मी.टन	0	0	0
बाजरा	मी.टन	30	30	0
जौ	मी.टन	381	381	0
कैस्टर सीड	मी.टन	17526	17307	-219
धनिया	मी.टन	4890	5834	944
कॉटनऑयलसीडकेक	मी.टन	63753	62703	-1050
ग्वारगम	मी.टन	17997	17793	-204
ग्वारसीड	मी.टन	21949	20767	-1182
जीरा	मी.टन	105	105	0
स्टील	मी.टन	10	10	0

गोदाम में सप्ताहिक स्टॉक स्थिति (MCX)

कमोडिटी	यूनिट	26.04.2024 क्वांटिटी	02.05.2024 क्वांटिटी	अंतर
एल्युमीनियम	मी.टन	129.22	376.436	247
तांबा	मी.टन	1972797	1932973	-39824
सोना	किग्रा	329	329	0
सोना मिनी	किग्रा	1776	1776	0
सोना गिनी	किग्रा	32900	183900	151000
लेड	किग्रा	0	0	0
चांदी (30 किग्रा बार)	किग्रा	321809	314222	-7587
चांदी एम	किग्रा	50293	50293	0
जिंक	मी.टन	0	0	0

LME में सप्ताहिक स्टॉक स्थिति(टन में)

कमोडिटी	स्टॉक की स्थिति 26.04.2024	स्टॉक की स्थिति 02.05.2024	अंतर
एल्युमीनियम	492750	489250	-3500.00
तांबा	117500	115275	-2225.00
निकल	78594	78780	186.00
लेड	270375	268725	-1650.00
जिंक	255400	254875	-525.00

ट्रेंड शीट

एक्सचेंज	कमोडिटी	कांट्रेक्ट	बंद* भाव	ट्रेंड बदलाव की तिथि	ट्रेंड	भाव के ट्रेंड में बदलाव	सपोर्ट	रेजिस्टेंस	क्लोजिंग स्टॉप लास
NCDEX	जीरा	मई	24570.00	23.04.24	तेजी	22000.00	22650.00	-	22500.00
NCDEX	हल्दी	जून	19154.00	18.04.24	तेजी	18000.00	18200.00	-	18000.00
NCDEX	**ग्वारसीड**	**मई**	**5430.00**	**02.05.24**	**मंदी**	**5450.00**	**-**	**5635.00**	**5650.00**
NCDEX	**ग्वारगम**	**मई**	**10871.00**	**02.05.24**	**मंदी**	**10900.00**	**-**	**11350.00**	**11500.00**
NCDEX	कैस्टरसीड	मई	5657.00	18.01.24	तेजी	5650.00	5520.00	-	5500.00
NCDEX	सुरजमुखी तेल	मई	854.50	06.03.24	तेजी	845.00	830.00	-	825.00
NCDEX	कॉटनऑयलसीडकेक	मई	2569.00	26.03.24	मंदी	2600.00	-	2675.00	2700.00
MCX	मेंथा ऑयल	मई	932.20	27.09.23	मंदी	960.00	-	957.00	960.00
MCX	बुलडेक्स	मई	17888.00	04.03.24	तेजी	16600.00	17430.00	-	17400.00
MCX	चांदी	जुलाई	81363.00	04.03.24	तेजी	72200.00	79200.00	-	79000.00
MCX	सोना	जून	70736.00	04.03.24	तेजी	64000.00	69600.00	-	69500.00
MCX	**तांबा**	**मई**	**845.95**	**02.05.24**	**मंदी**	**850.00**	**-**	**877.00**	**880.00**
MCX	लेड	मई	190.70	06.03.24	तेजी	179.00	184.00	-	183.00
MCX	जिंक	मई	256.85	06.03.24	तेजी	218.00	246.00	-	245.00
MCX	एल्युमिनियम	मई	231.95	04.03.24	तेजी	202.00	226.00	-	225.00
MCX	**कच्चा तेल**	**मई**	**6601.00**	**01.05.24**	**मंदी**	**6700.00**	**-**	**7045.00**	**7060.00**
MCX	नेचुरल गैस	मई	170.00	26.04.24	तेजी	165.00	152.00	-	150.00

*02/05/2024 का बंद भाव

नोट: 1. कभी-कभी आप पाओगे कि स्टॉप लॉस बहुत अधिक है लेकिन यदि हम स्टॉप लॉस को एक बार बदल दें तो हमें कमोडिटी में मजबूती आती दिखेगी ।उस स्थिति में स्टॉप लॉस अधिक होगा क्योंकि हम सप्ताहिक आधार पर ग्राफ को देखते है और लम्बे समय तक के रूझानों को लेते है।

2. इस सप्ताहिक ट्रेंड का मिलान रोजाना के ट्रेंड से नहीं किया जाना चाहिए जिसे प्रतिदिन सुबह को मार्निंग रिपोर्ट के नाम से ई मेल किया जाता है।

टेक्निकल सुझाव

तांबा (मई) एमसीएक्स

तांबा (मई) एमसीएक्स **उच्चस्तर: 876.45** **निचला स्तर: 709.35**

एमसीएक्स में तांबा (मई) कॉन्ट्रैक्ट 02 मई 2024 को 845.95 रू पर बंद हुआ। वर्तमान समय में 18 दिनों को एक्सपोनेंसियल मूविंग औसत 837.08 है। दैनिक चार्ट में कमोडिटी की रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स की वैल्यू 66.40 है। दोनों ही इंडिकेटर बिकवाली का संकेत दे रहे हैं।

860.00 रू के स्टॉपलॉस के साथ 830.00 रू के टारगेट के लिए 853.00 रू के नजदीक बिकवाली की जा सकती है।

नेचुरल गैस (मई) एमसीएक्स

नेचुरल गैस (मई) एमसीएक्स **उच्च स्तर: 197.80** **निचला स्तर: 159.30**

एमसीएक्स में नेचुरल गैस (मई) कॉन्ट्रैक्ट 02 मई 2024 को 170.00 रू पर बंद हुआ। वर्तमान समय में 18 दिनों को एक्सपोनेंसियल मूविंग औसत 167.76 है। दैनिक चार्ट में कमोडिटी की रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स की वैल्यू 50.358 है। दोनों ही इंडिकेटर खरीददारी का संकेत दे रहे हैं।

160.00 रू के स्टॉपलॉस के साथ 180.00 रू के टारगेट के लिए 167.00 रू के नजदीक खरीददारी की जा सकती है।

ग्वारगम (मई) एनसीडीईएक्स

ग्वारगम (मई) एनसीडीईएक्स **उच्चस्तर: 11335.00** **निचला स्तर: 9866.00**

एमसीएक्स में ग्वारगम (मई) कॉन्ट्रैक्ट 02 मई 2024 को 10871.00 रू पर बंद हुआ। वर्तमान समय में 18 दिनों को एक्सपोनेंसियल मूविंग औसत 10898.66 है। दैनिक चार्ट में कमोडिटी की रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स की वैल्यू 49.66 है। दोनों ही इंडिकेटर बिकवाली का संकेत दे रहे हैं।

11300.00 रू के स्टॉपलॉस के साथ 10000.00 रू के टारगेट के लिए 10900.00 रू के नजदीक बिकवाली की जा सकती है।

अगले सप्ताह में बाजार का रुख

मसाले

वायदा मंच पर बिकवाली का दबाव बढ़ने से सप्ताह के दौरान हल्दी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। कीमतें कई वर्षों के उच्चतम स्तर पर होने के कारण खरीदारी गतिविधियां सीमित हो गई हैं। न केवल घरेलू मांग सुस्त रही है, बल्कि मौजूदा स्तर पर निर्यात मांग भी मध्यम रही है, जो यहां कीमतों में अहम बढ़त को रोक सकती है। फरवरी-24 में भारत से हल्दी का निर्यात 12% कम होकर 12.92 हजार टन रह गया, जबकि अप्रैल-23-फरवरी-24 के दौरान कुल निर्यात पिछले वर्ष से 4.4% कम होकर 144.58 हजार टन दर्ज किया गया। स्थानीय खरीदारों ने नई फसल की आपूर्ति में वृद्धि की उम्मीद में आवश्यकतानुसार खरीदारी को प्राथमिकता दी। लेकिन कुल मिलाकर आवक की गति पिछले वर्ष की तुलना में धीमी रही है। प्रमुख पीएमसी मंडियों में अप्रैल-24 में लगभग 24.67 हजार टन हल्दी पहुंची, जबकि पिछले वर्ष यह 73.25 हजार टन थी। आवक कम रहा है क्योंकि अनुमान है कि उत्पादन में साल-दर-साल 16% की गिरावट आएगी और यह मेरे वर्ष 2024-25 में 9.7 लाख टन रह सकता है। हल्दी की कुल आपूर्ति में साल-दर-साल 16% की कमी होने की संभावना है, जिससे कीमतों में बड़ी गिरावट पर रोक लगने की संभावना है। आपूर्ति में और वृद्धि होने की उम्मीद है क्योंकि किसानों को खेती की लागत का अच्छा लाभ मिल रहा है । हल्दी की कीमतें 18200-19900 के दायरे में रहने की उम्मीद है।

बाजार में मजबूत निर्यात मांग को देखते हुए सप्ताह के दौरान जीरा वायदा कीमतों में तेजी दर्ज की गई। मध्य पूर्व क्षेत्र में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बाद वैश्विक स्तर पर व्यापार व्यवधान से भारतीय जीरा की निर्यात मांग में वृद्धि हुई। शादी के मौसम की बेहतर मांग और होटल और रेस्तरां द्वारा बढ़ती स्थानीय खरीदारी से कीमतों को तेजी के रूझान के साथ कारोबार करने में मदद मिली। लेकिन बढ़ती आवक का दबाव कीमतों में बढ़त को सीमित कर देगा। पिछले वर्ष की तुलना में अप्रैल-24 में अब तक आवक लगभग 28% अधिक रही है। भारत भर की प्रमुख एपीएमसी मंडियों में लगभग 45 हजार टन जीरा पहुंचा। मौजूदा दर पर निर्यात मांग बढ़ने की उम्मीद है जिससे जीरा की कीमतों में तेजी को मदद मिलेगी। भारत ने फरवरी-24 में 10.96 हजार टन जीरा का निर्यात किया, जबकि पिछले साल यह 11.36 हजार टन था, जो साल-दर-साल 3.4% कम है। अप्रैल-23-फरवरी-24 की समयावधि के दौरान भारत से जीरा निर्यात में साल-दर-साल 23.7% की गिरावट दर्ज की गई है, लेकिन आने वाले महीनों में इसके बढ़ने की उम्मीद है। जीरा की कीमतों के 23500-27500 के दायरे में रहने की संभावना है।

बाजार में पर्याप्त आपूर्ति की स्थिति के कारण धनिया की कीमतों में नरमी रही, जिससे खरीदार थोक खरीदारी से दूर रहे। भारी मात्रा में स्टॉक और नई फसल की आपूर्ति बढ़ने से कीमतों पर दबाव रहने की संभावना है। लेकिन अप्रैल-24 में कुल आवक मार्च-24 की तुलना में 41% कम हो गई है क्योंकि किसान कीमतों में अधिक वृद्धि की उम्मीद में अपने स्टॉक को जारी करने के लिए अनिच्छुक हैं। फिर भी मजबूत निर्यात से गिरावट सीमित रह सकती है। सरकारी आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, फरवरी-24 में धनिया का निर्यात साल-दर-साल 35% बढ़कर 4.6 हजार टन हो गया। अप्रैल-23-फरवरी-24 की समय अवधि के दौरान धनिया का कुल निर्यात 71.18 हजार टन तक पहुंच गया। कमजोर आपूर्ति की आशंका के कारण धनिया में मजबूती बरकरार रहने की संभावना है क्योंकि रकबा और उपज में गिरावट के कारण उत्पादन में साल-दर-साल लगभग 10-15% की कमी होने की संभावना है। धनिया की कीमतों के 6800-7800 के दायरे में रहने की संभावना है।

अन्य कमोडिटीज

आईसीई में कॉटन की कीमतों में गिरावट के संकेतों को देखते हुए कॉटन की कीमतों में कमजोर रुख के साथ कारोबार हुआ। फसल की बेहतर स्थिति और बुआई गतिविधियों का आईसीई कॉटन की कीमतों पर असर पड़ा। एनएएसएस क्रॉप प्रोग्रेस रिपोर्ट के अनुसार, 28 अप्रैल तक अमेरिकी कपास की फसल 15% बोई गई है, जो पिछले साल और पांच साल की औसत संख्या की तुलना में 1% अधिक है। बढ़ती निर्यात मांग और घटती आवक के कारण घरेलू कपास की कीमतों में बढ़ोतरी की संभावना नहीं है। कॉटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीएआई) द्वारा जारी नवीनतम अनुमान के अनुसार, अक्टूबर-मार्च के दौरान निर्यात 137 प्रतिशत बढ़कर 18 लाख गांठ हो गया, जबकि पिछले साल की समान अवधि में निर्यात 7.59 लाख गांठ हुआ था। भारत ने 2022-23 सीजन के दौरान 15.59 लाख गांठों का निर्यात किया था। एमसीएक्स पर कॉटन की कीमतों के 55800-58900 के बीच कारोबार करने की संभावना है। इसी तरह, कपास (अप्रैल-25) वायदा की कीमतों के 1530-1620 के दायरे में कारोबार करने की संभावना है।

बाजार में बिकवाली के बढ़ते दबाव के कारण ग्वारसीड की कीमतें एक बार फिर फिसल गई। कच्चे तेल की कीमतों में कमजोरी के कारण निर्यात की धूमिल संभावनाओं ने बाजार के सेंटीमेंट पर असर डाला। स्थानीय बाजार में धीमी खरीदारी और वर्ष 2024 में ग्वार का रकबा बढ़ने की उम्मीद से भी कीमतों पर दबाव पड़ा। लेकिन गिरावट सीमित होने की संभावना है क्योंकि कम उत्पादन के कारण आवक की गति धीमी हो गई है। ग्वारगम की निर्यात मांग में सुधार हुआ है जिससे ग्वारसीड की कीमतों में भी वृद्धि होगी। फरवरी-24 में ग्वारगम का निर्यात सालाना 46% बढ़कर 37.3 हजार टन हो गया। ग्वारसीड की कीमतों को 5300 के आसपास सपोर्ट मिलने की उम्मीद है, जबकि रेजिस्टेंस 5800 पर देखा जा सकता है। इसी तरह, ग्वारगम की कीमतों को 10300 के आसपास सपोर्ट मिलने की संभावना है, जबकि रेजिस्टेंस 11500 पर देखा जा सकता है।

अधिक निर्यात की रिपोर्ट से मेंथा ऑयल की कीमतों में तेजी की संभावना है। फरवरी, 2024 के दौरान भारत ने लगभग 309 टन मेंथा तेल का निर्यात किया, जबकि सरकार की नवीनतम विज्ञप्ति के अनुसार पिछले वर्ष यह 210 टन हुआ था। पिछले वर्ष की तुलना में आवक कम है जिससे कीमतों में मजबूती आने की संभावना है। मेंथा ऑयल की कीमतों के 911-965 के दायरे में कारोबार करने की संभावना है।

प्रमुख व्यापारिक केंद्रों पर सीमित उपलब्धता के मुकाबले बढ़ती मांग के कारण अरंडी की कीमतें बढ़ने की उम्मीद है। मांग में बढ़ोतरी की संभावना है जिससे कीमतों को तेजी के रूझान के साथ कारोबार करने में मदद मिलेगी। अरंडीकेक और तेल की सुस्त मांग बढ़त को सीमित कर सकती है। अरंडी (कैस्टर सीड) की कीमतों के 5600-5900 के दायरे में रहने की संभावना है

सर्राफा

सोने की कीमतों में लगातार दूसरी साप्ताहिक गिरावट हुई है, क्योंकि निवेशकों ने अमेरिकी गैर-कृषि पेरोल आंकड़ों के जारी होने से पहले सावधानी बरती, जो फेडरल रिजर्व के नीतिगत रुख पर संकेत दे सकता है। अप्रैल में 2,431.29 डॉलर की रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने के बाद, भू-राजनीतिक जोखिमों के बारे में कम होती चिंताओं और दरों के बाजार में तेज पुनर्मूल्यांकन के कारण कीमतों में 130 डॉलर की गिरावट हुई। फेडरल रिजर्व ने अपनी घोषणा में उधार लेने की लागत में अंततः कटौती की ओर झुकाव का संकेत दिया, लेकिन हाल ही में निराशाजनक मुद्रास्फीति आंकड़ों पर चिंता व्यक्त की, जिसके कारण दर-कटौती में देरी हो रही है। बाजार का सेंटीमेंट, जैसा कि सीएमई के फेडवॉच टूल से पता चलता है, नवंबर में दर में कटौती की 73% संभावना का अनुमान लगा रहा है। इन घटनाक्रमों के बावजूद, वर्ष के पहले तीन महीनों में केंद्रीय बैंक की ओर से सोने की खरीदारी में वृद्धि हुई, जिसमें उभरते बाजारों में अधिकांश खरीदारी को बढ़ावा दिया। इसके अतिरिक्त, खासकर एशिया और मध्य पूर्व में ओवर-द-काउंटर मांग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। यह बढ़ी हुई मांग अमेरिकी और यूरोपीय निवेशकों के बीच मुनाफावसूली के विपरीत है। फिर भी सोने को पारंपरिक रूप से मुद्रास्फीति के मुकाबले सुरक्षा के रूप में देखा जाता है, लेकिन ऊंची ब्याज दरों के कारण इसकी मांग कम हो गई है। लेकिन मुद्रास्फीति में कमी से कीमतों को समर्थन मिल सकता है, जबकि उम्मीद से अधिक मजबूत आंकड़ों के कारण कीमतों पर नीचे की ओर दबाव पड़ सकता हैं। आगामी दिनों में, कॉमेक्स पर सोने की कीमतों को 2230 के करीब सपोर्ट और 2360 के करीब रेजिस्टेंस मिल सकता है। एमसीएक्स पर सोने की कीमतों के 69500-71600 के दायरे में कारोबार करने का अनुमान है। इस बीच, चांदी की कीमतों के 25-26 डॉलर के ब्रेकआउट दायरे की ओर गिरने का अनुमान है, जिसमें तेजी से बदलाव की संभावना है, और यह 27.80-29.20 डॉलर के दायरे में कारोबार कर सकती है जबकि एमसीएक्स में 79300-82500 के बीच कारोबार कर सकती है। मौजूदा चुनौतियों के बावजूद, केंद्रीय बैंक की निरंतर खरीदारी और उभरते बाजारों से मजबूत मांग के कारण निकट अवधि में सोने का दृष्टिकोण तेजी का बना हुआ है।

एनर्जी कॉम्पलेक्स

मध्य पूर्व में संघर्ष की चिंता कम होने से कच्चे तेल की कीमतों में 5% से अधिक की गिरावट हुई । इसके अलावा, अमेरिकी कच्चे तेल की अधिक आपूर्ति और मांग के संबंध में बढ़ती अनिश्चितता ने तेल की कीमतों पर अधिक दबाव डाला। मिस्र ने इजराइल और हमास के बीच रुकी हुई शांति वार्ता को फिर से शुरू करने की कोशिश की, और अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने हमास से इजराइल के युद्धविराम प्रस्ताव को स्वीकार करने का आग्रह किया। अमेरिका में, ऊर्जा सूचना प्रशासन (ईआईए) ने नवीनतम सप्ताह में कच्चे तेल के भंडार में 7.3 मिलियन बैरल की महत्वपूर्ण वृद्धि दर्ज की है। फरवरी में कच्चे तेल का उत्पादन 13.15 मिलियन बैरल प्रति दिन तक पहुंच गया, जो लगभग साढ़े तीन साल में सबसे अधिक है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों में कटौती की संभावनाएं कम होने से समग्र मांग अनुमान में गिरावट जारी है। ओपेक+ ने तेल की मांग में सुधार नहीं होने पर जून से आगे 2.2 मिलियन बैरल प्रति दिन की स्वैच्छिक उत्पादन कटौती बढ़ाने का संकेत दिया। बाजार का ध्यान अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों और भविष्य में कच्चे तेल की आपूर्ति के संकेतकों पर केंद्रित हो गया। शुक्रवार को, अमेरिकी श्रम सांख्यिकी ब्यूरो अपनी मासिक गैर-कृषि पेरोल रिपोर्ट जारी करेगा, जो देश के नौकरी बाजार की ताकत का आंकलन करने और फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर निर्णयों को प्रभावित करने के लिए महत्वपूर्ण है। ऊंची ब्याज दरें आम तौर पर आर्थिक गतिविधि और उसके बाद तेल की मांग को कम कर देती हैं। कच्चे तेल की कीमतों के 6450-6950 के दायरे में रहने का अनुमान है। अधिक संतुलित आपूर्ति/मांग परिदृश्य के कारण अमेरिकी नेचुरल गैस वायदा तीन महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया, जो फ्रीपोर्ट एलएनजी में फीडगैस प्रवाह में वृद्धि, अमेरिकी उत्पादन में कमी और चेसापीक एनर्जी के उत्पादन में कटौती को बनाए रखने के फैसले से बढ़ा है। टेक्सास के लिए अनुकूल मौसम पूर्वानुमान भी बिजली उत्पादन की मांग को बढ़ा सकता है। नेचुरल गैस की कीमतों के 155-178 के बीच रहने की उम्मीद है।

बेस मेटल

उच्च स्तर पर मुनाफावसूली के कारण बेस मेटल की कीमतें मंदी के साथ कारोबार कर सकती हैं क्योंकि बाजार का ध्यान धातु के दुनिया के अग्रणी उपभोक्ता चीन में मांग की स्थिति पर केंद्रित हो गया है। चीन के संपत्ति और निर्माण क्षेत्रों में मंदी का असर बेस मेटल बाजारों पर पड़ा है। हाल ही में आंकड़ों से पता चला है कि अप्रैल में चीन के मैनुफैक्चरिंग और सेवा क्षेत्रों में विकास धीमा हो गया है, जो दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की गति में धीमेपन का संकेत देता है। लेकिन चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ने भी देश की अतिरिक्त आवास भंडार से निपटने के उपायों की जांच करने का वादा किया है, जो एक लंबे समय तक चलने वाले संपत्ति संकट के लिए मदद बढ़ाने का संकेत है। तांबें की कीमतें 830-855 के दायरे में कारोबार कर सकती है। कमोडिटी कारोबारी ट्रैफिगुरा ने रॉयटर्स को बताया कि इलेक्ट्रिक वाहन, पावर इंफ्रास्ट्रक्चर, एआई और ऑटोमेशन क्षेत्रों में बढ़ती गतिविधियों से अगले दशक में कम से कम 10 मिलियन मीट्रिक टन अतिरिक्त तांबे की खपत होगी। लेकिन बढ़ती चिंता यह है कि आर्थिक गतिविधि धीमी रहने के कारण कमजोर मांग के कारण चीन में तांबे की आपूर्ति बढ़ रही है। इंटरनेशनल कॉपर स्टडी ग्रुप के अनुसार वैश्विक तांबा बाजार को इस साल 162,000 के सरप्लस का सामना करना पड़ रहा है। जिंक की कीमतें 245-265 के दायरे में कारोबार कर सकती हैं। जिंक की आपूर्ति बढ़ने की उम्मीद है क्योंकि नायरस्टार का बुडेल स्मेल्टर 13 मई के सप्ताह के दौरान उत्पादन फिर से शुरू कर देगा। लेड की कीमतें 187-194 के दायरे में कारोबार कर सकती हैं। एल्युमीनियम की कीमतें 225-235 के दायरे में कारोबार कर सकती हैं। एल्युमीनियम की कीमतें 225-235 के दायरे में कारोबार कर सकती हैं। आंकड़ों से पता चला है कि एलएमई-पंजीकृत गोदामों में एल्युमीनियम की ऑन-वारंट भंडार में 88,625 टन की वृद्धि हुई है, जो रूसी धातु को लेकर हाल ही में यूके और अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण है। वैश्विक नियामक माहौल के बावजूद, चीन में एल्युमीनियम की अधिक मांग रही है, जिससे मार्च में कच्चे एल्युमीनियम और उत्पादों के आयात में 89.8% की वृद्धि हुई, जो 380,000 मीट्रिक टन तक पहुंच गया।

विश्व स्तर पर सोने की मांग.....भूराजनीतिक अनिश्चितता के बीच केंद्रीय बैंकों की भारी खरीददारी

भू-राजनीतिक अनिश्चितता, महामारी से संबंधित परिस्थिति और वैश्विक आर्थिक मंदी के संकट के समय में अपने पैसे को निवेश करने और अपने पोर्टफोलियो में विविधता लाने के लिए सोना हमेशा से निवेशकों के बीच प्रमुख पसंद होती है। वैश्विक स्तर पर मौजूदा संकट और अनिश्चितता के दौर में वैश्विक केंद्रीय बैंकों के लिए भी सोना सबसे विश्वसनीय रिजर्व बन गया है। भू-राजनीतिक संकट, आपूर्ति श्रृंखला की कठिनाइयाँ और बढ़ती मुद्रास्फीति ने वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भारी दबाव डाला है और निवेशकों की रुचि फिर से बढ़ी है, जिससे अप्रैल में सोने की कीमतें 2448 अमरीकी डालर प्रति औंस पर पहुंच गई।

- वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की पहली तिमाही-2024 रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक स्तर पर सोने की कुल मांग साल-दर-साल 3% बढ़कर 1,238 टन हो गई, जो 2016 के बाद से पहली तिमाही में सबसे अधिक मांग है।
- केंद्रीय बैंकों ने तेजी से सोना खरीदना जारी रखा, जिससे तिमाही के दौरान वैश्विक स्तर पर आधिकारिक होल्डिंग में 290 टन की बढ़ोतरी हुई।
- पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना ने अपनी खरीददारी की गति को पहली तिमाही में जारी रखा, और तिमाही के दौरान अपने सोने के भंडार में 27 टन की वृद्धि दर्ज की।
- भारतीय रिजर्व बैंक ने पहली तिमाही के दौरान अपने सोने के भंडार में 19 टन की वृद्धि की, जो पिछले साल की शुद्ध वार्षिक खरीद (16 टन) से अधिक है।
- तुर्की के सेंट्रल बैंक ने पहली तिमाही के दौरान सोना जमा करना जारी रखखा। इसने 30 टन सोना खरीदा, जिससे उसका स्वर्ण भंडार 570 टन हो गया।

पहली तिमाही के दौरान बिक्री की तुलना में खरीदारी में तुर्की, चीन और भारत सबसे आगे रहे

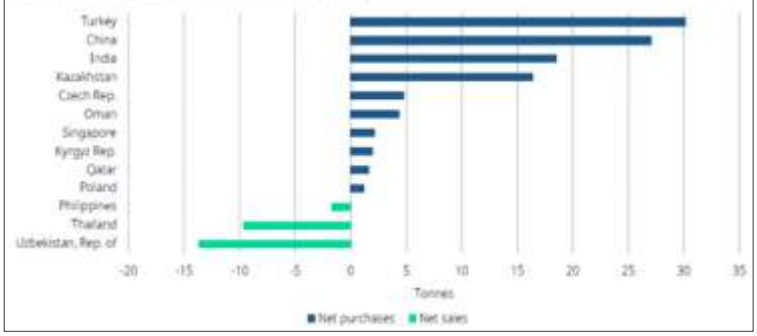

- बार और सिक्का निवेश में साल-दर-साल 3% की वृद्धि हुई, जो 2023 की चौथी तिमाही से 312टन के समान स्तर पर स्थिर रहा।
- वैश्विक स्तर पर होल्डिंग में 114 टन की गिरावट के साथ सोने के ईटीएफ में निकासी जारी रही।
- रिकॉर्ड-उच्च कीमतों के बावजूद, वैश्विक स्तर पर आभूषण की मांग लचीली बनी रही, और साल-दर-साल केवल 2% की गिरावट हुई।
- इसके अलावा, इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में एआई बूम के कारण प्रौद्योगिकी में सोने की मांग में साल-दर-साल 10% की बढ़ोतरी हुई।
- पहली तिमाही में सोने की औद्योगिक मांग साल-दर-साल 10% बढ़कर 79 टन हो गई। यह वृद्धि इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में सुधार के कारण हुई है, जिसमें साल-दर-साल 13% की वृद्धि देखी गई और यह 64 टन हो गया।
- आपूर्ति को देखा जाय तो, खदानों से सोने का उत्पादन साल-दर-साल 4% बढ़कर 893 टन हो गया-जो पहली तिमाही में एक रिकॉर्ड है।
- विश्व स्वर्ण परिषद के अनुसार, ऐतिहासिक ऊंचाई पर कीमतें पहुंचने के बावजूद मजबूत आर्थिक माहौल के कारण मार्च तिमाही में भारत में सोने की मांग सालाना 8 प्रतिशत बढ़कर 136.6 टन हो गई।
- पहली तिमाही में भारत में सोने के बार और सिक्कों में निवेश अच्छा रहा, जो साल-दर-साल 19% बढ़कर 41 टन हो गया।
- भारत में सोने के आभूषणों की मांग 95 टन थी, जो तुलनात्मक रूप से कमजोर पहली तिमाही-23 से 4% अधिक है। भारत का निरंतर मजबूत व्यापक आर्थिक माहौल सोने की खपत के लिए सहायक था।
- परिषद ने कहा कि 2024 की पहली तिमाही में भारत में सोने का कुल आयात 179.4 टन हुआ है, जो 2023 की पहली तिमाही के 143.4 टन की तुलना में 25 प्रतिशत अधिक है।

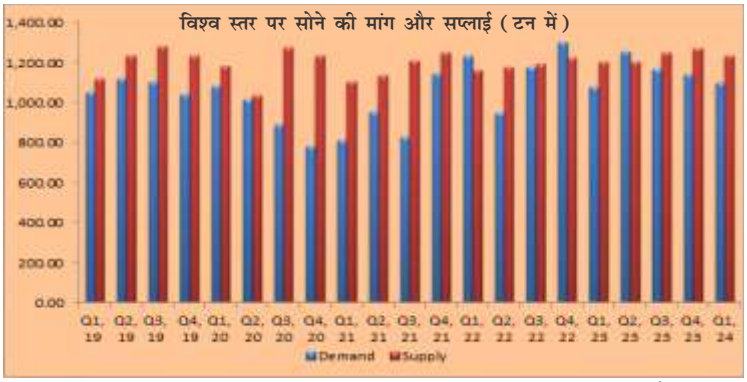

स्रोत: डब्ल्यूजीसी

मौजूदा बाजार स्थितियों को ध्यान में रखते हुए, विश्व स्वर्ण परिषद का दृष्टिकोण तेजी का बना हुआ है, जो केंद्रीय बैंकों और अस्थिर दुनिया में स्थिरता चाहने वाले निवेशकों दोनों के लिए सोने के प्रति लगातार आकर्षण से प्रेरित है। निवेश मांग भी मजबूत रहने की उम्मीद है क्योंकि उच्च मुद्रास्फीति और बढ़े हुए भू-राजनीतिक तनाव के कारण निवेशकों के बीच सोने की मांग बढ़ने की संभावना है। हाल के सप्ताहों में कीमतों में भारी उछाल से रीसाइक्लिंग आपूर्ति में वृद्धि और आभूषणों की मांग में गिरावट की संभावना है, लेकिन बढ़े हुए भू-राजनीतिक जोखिम और कुछ देशों में आभूषणों की उच्च मांग प्रभाव को सीमित कर सकती है।

आप इस रिपोर्ट को हमारी वेबसाइट पर भी देख सकते हैं- www.smctradeonline.com

Corporate Office:
11/6B, Shanti Chamber,
Pusa Road, New Delhi - 110005
Tel: +91-11-30111000
www.smcindiaonline.com

Mumbai Office:
Lotus Corporate Park, A Wing 401 / 402 , 4th Floor ,
Graham Firth Steel Compound, Off Western Express Highway, Jay Coach Signal, Goreagon (East) Mumbai - 400063
Tel: 91-22-67341600, Fax: 91-22-67341697

Kolkata Office:
18, Rabindra Sarani, Poddar Court, Gate No-4,
5th Floor, Kolkata-700001
Tel.: 033 6612 7000/033 4058 7000
Fax: 033 6612 7004/033 4058 7004

प्रतिभूति बाजार में निवेश बाजार के जोखिमों के अधीन है। निवेश करने से पहले सभी संबंधित दस्तावेजों को ध्यान से पढ़ लें। सेबी द्वारा दिया गया पंजीकरण और एनआईएसएम से प्रमाणन किसी भी तरह से मध्यस्थ के प्रदर्शन की गारंटी नहीं देता है या निवेशकों को रिटर्न का कोई आश्वासन नहीं देता है। उद्धृत प्रतिभूतियां केवल उदाहरण के लिए हैं और अनुशंसात्मक नहीं हैं। एसएमसी सेबी द्वारा पंजीकृत एक अनुसंधान विश्लेषक है जिसका पंजीकरण संख्या आईएनएच 100001849 है। सीआईएन: L74899DL1994PLC063609 है।

एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड (जिसे एसएमसी कहा जाता है) का नियमन भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड द्वारा किया जाता है और इसे ब्रोकिंग व्यवसाय, डिपॉजिटरी सेवायें और संबंधित सेवायें करने का लाइसेंस प्राप्त है। एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड, एमएसईआई(मेट्रोपॉलिटन स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड) का रजिस्टर्ड सदस्य है और एम/एस एसएमसी कॉमट्रेड नेशनल कमोडिटी एवं डेरिवेटिव्स एक्सचेंज लिमिटेड और मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया और भारत के अन्य कमोडिटी एक्सचेंजों का रजिस्टर्ड सदस्य है। इसकी सहयोगी एमसीएक्स स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड की सदस्य हैं। एसएमसी सीडीएसएल(CDSL) और एनएसडीएल(NSDL)के साथ डिपॉजिटरी भागीदार के रूप में भी रजिस्टर्ड है । एसएमसी के अन्य एसोसिएट सेबी और भारतीय रिजर्व बैंक के साथ मर्चेंट बैंकर, पोर्टफोलियो मैनेजर के रूप में रजिस्टर्ड है। यह म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर के रूप में एएमएफआई(AMFI) में भी रजिस्टर्ड है ।

एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड सेबी (रिसर्च एनॉलिस्ट)रेगुलेशन 2014 के तहत रिसर्च एनॉलिस्ट के लिए रजिस्ट्रेशन संख्या INH100001849 के साथ रजिस्टर्ड संस्था है। एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड या इसके सहयोगियों को सेबी द्वारा अन्य किसी रेगुलेटरी एथॉरिटी द्वारा सिक्योरिटीज मार्केट/कमोडिटी मार्केट में कारोबार के लिए प्रतिबंधित/निलंबित नही किया गया है। रिपोर्ट में रिसर्च एनॉलिस्टों द्वारा व्यक्त की गई राय केवल सार्वजनिक रूप से प्राप्त सूचनाओं/इंटरनेट आंकड़ों/अन्य विश्वसनीय स्रोतों, जिन्हें सत्य माना जाना जाता है, पर आधारित हैं। एसएमसी रिपोर्ट में व्यक्त राय या सामग्री की शुद्धता को लेकर कोई आश्वासन नही देता है और निवेशकों को सलाह दी जाती है कि निवेश के लिए कोई भी निर्णय करने से पहले बाजार की परिस्थितियों/जोखिमों का स्वतंत्र रूप से मूल्यांकन करें । रिसर्च एनॉलिस्ट, जिन्होने इस रिपोर्ट को तैयार किया है, एतद् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि इस रिपोर्ट में विशेष कमोडिटी के संदर्भ में व्यक्त किया गया विचार/राय उनके निजी स्वतंत्र विचार/राय है।

डिसक्लेमर: यह रिसर्च रिपोर्ट अधिकृत प्राप्तकर्त्ता की व्यक्तिगत सूचना के लिए है और इसका निवेशक के किसी निवेश, विधिक एवं कर संबंधी परामर्श से संबंध नही हैं । यह केवल प्राइवेट सर्कुलेशन एवं उपयोग के लिए है। यह रिपोर्ट विश्वस्त सूचनाओं पर आधारित है लेकिन यह पूरी तरह सही और पूर्ण है, ऐसा जरूरी नही और इस पर पूरी तरह भरोसा नही किया जाना चाहिए । रिपोर्ट के कन्टेन्ट के आधार पर कोई कार्य नही किया जा सकता है । इस रिपोर्ट को एसएमसी से लिखित आज्ञा के बिना किसी भी रूप में नकल एवं किसी भी अन्य व्यक्ति को पुन: वितरण नही किया जाना चाहिए। इस सामग्री का कन्टेन्ट सामान्य है और यह न तो पूरी तरह से व्यापक है और न विस्तृत है। इस रिपोर्ट के आधार पर उठाये गये किसी कदम से होने वाली क्षति या नुकसान के लिए न तो एसएमसी और न इसका कोई संबंधी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी को उत्तरदायी ठहराया जाना चाहिए । यह कोई व्यक्तिगत अनुमोदन नही करता या किसी खास निवेश उद्देश्य, वितीय स्थिति या किसी व्यक्तिगत ग्राहक या कॉरपोरेट या सत्ता की जरूरतों को लेकर नही चलता है । सभी निवेश जोखिमपूर्ण होते है एवं पिछला प्रदर्शन भविष्य के किसी प्रदर्शन की गारन्टी नही देता है। निवेश की वैल्यू और उससे प्राप्त आमदनी एक निश्चित समय में उपलब्ध कुछ बड़े एवं सूक्ष्म कारकों के बदलाव पर निर्भर कर सकती है। निवेश का निर्णय लेते समय किसी भी व्यक्ति को अपने विवेक का इस्तेमाल करना चाहिए ।

कृपया ध्यान रखें कि हम या हमारा कोई अधिकारी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी, जो भी इस रिपोर्ट को बनाने या भेजने में शामिल है उसकी (अ)समय-समय पर किसी भी कमोडिटीज में, जिनका इस रिपोर्ट में जिक्र किया गया है, खरीद या बिक्री, कोई भी पोजिशन हो सकती है और वह इस कमोडिटीज को खरीद या बिक्री कर सकता है या (ब) साथ ही साथ वह इन कमोडिटीज के किसी भी प्रकार के सौदों में और ब्रोकरेज या अन्य प्रकार के प्रतिकर में अथवा बाजार निर्माण में शामिल हो सकता है, (स) इस रिपोर्ट में दिए गये सुझावों और संबंधित सूचनाओं एवं विचारों के संदर्भ में इनका अपना कोई भी निहित स्वार्थ या विवाद हो सकता है । सभी विवादों का निपटारा अंतिम रूप से दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीन होगा ।